हिन्दी शिक्षण (Hindi Teaching)

◆ प्रयोजना विधि का आधारभूत सिद्धांत है –
(1) उद्देश्य (2) क्रियाशीलता
(3) रोचकता (4) उपरोक्त सभी (4)

◆ यह विद्यार्थी लिखते समय किसी वर्ण को भूल जाता है, तो उसे कहते हैं –
(1) आगम (2) लोप
(3) विपर्यय (4) इनमें से कोई नहीं (2)

◆ पठन कौशल प्रशिक्षण देने की महत्वपूर्ण विधि है –
(1) कहानी विधि (2) देखा, कहो विधि
(3) अक्षर बोध विधि (4) उपर्युक्त सभी (4)

◆ बाल सभाएं प्राथमिक स्तर पर आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य है–
(1) मौखिक अभिव्यक्ति प्रशिक्षण
(2) लिखित अभिव्यक्ति प्रशिक्षण
(3) श्रवण कौशल प्रशिक्षण
(4) इनमें से कोई नहीं (1)

◆ दक्षिणी भारत में वह प्रमुख कारण कौन सा है जिसके तहत हिन्दी का विरोध किया जा रहा है?
(1) राजनैतिक (2) आर्थिक
(3) सांस्कृतिक (4) इनमें से कोई नहीं (1)

◆ विषय वस्तु के सूक्ष्म व विस्तृत अध्ययन को क्या कहते हैं?
(1) गहन अध्ययन (2) सूक्ष्म व वृहत् शिक्षण
(3) सूक्ष्म शिक्षण (4) वृहत् शिक्षण (1)

◆ आधुनिक हिन्दी साहित्य युग का प्रवेश द्वारा कहा जाता है –
(1) भारतेंन्दु युग (2) द्विवेदी युग
(3) वैदिक युग (4) मौर्य युग (1)

◆ त्रिभाषा सूत्र का मुख्य संदर्भ कहाँ है?
(1) माध्यमिक स्तर पर (2) उच्च स्तर पर
(3) पूर्व माध्यमिक स्तर पर (4) उच्चतर माध्यमिक स्तर पर (1)

◆ छात्रों को हिन्दी साहित्य के इतिहास की रुपरेखा से परिचित करवाना किस प्रकार का उद्देश्य है?
(1) कौशलात्मक (2) सृजनात्मक
(3) रचनात्मक (4) ज्ञानात्मक (4)

अभिवृत्यात्मक उद्देश्य है –
(1) साहित्य का रसास्वादन करना
(2) धैर्यपूर्वक कहना व सुनना
(3) सहानुभूतिपूर्वक भावों की अभिव्यक्ति करना
(4) भाषा और साहित्य में रुचि (4)

◆ निम्न में से शिक्षण सूत्र नहीं है –
(1) ज्ञात से अज्ञात
(2) अनुकरण से अभ्यास
(3) मूर्त से अमूर्त
(4) विश्लेषण से संश्लेषण (2)

◆ छोटी से छोटी ध्वनि कहलाती है –
(1) वर्ण (2) भाषा
(3) लेखन (4) अनुस्वार (1)

◆ भाषा निर्माणक तत्व है –
(1) सार्थक ध्वनियाँ
(2) अनुप्रेरक ध्वनियाँ
(3) अस्वर ध्वनियाँ
(4) इनमें से कोई नहीं (1)

◆ "पूर्ण अर्थ की प्रतीती करने वाले शब्द समूह को वाक्य माना जाता है।" कथन है –
(1) मैक्डूगल (2) हरबर्ट
(3) पतंजलि का (4) स्वीट का (3)

◆ पद का आधार है –
(1) शब्द (2) गद्य
(3) वाक्य (4) समूह (1)

◆ स्वरों का वर्गीकरण किया जा सकता है –
(1) उच्चारण से
(2) अभ्यंतर प्रत्यन की दृष्टि से
(3) पठन से
(4) इनमें से कोई नहीं (2)

◆ वर्णो का उच्चारण कम होता है
(1) स्वर, व्यंजन, शब्द, वाक्य
(2) स्वर, व्यंजन, वाक्य, शब्द
(3) व्यंजन, वाक्य, शब्द स्वर
(4) इनमें से कोई नहीं (1)

◆ वर्ण, शब्द एवं वाक्य किसके खंड है?
(1) ध्वनि के (2) उच्चारण के
(3) भाषा के (4) उत्प्रेरणा (3)

◆ व्यक्ति का सीखना निर्भर करता है –
(1) भाषा शैली पर
(2) भाषा के वैज्ञानिक स्वरुप पर
(3) भाषा की वर्णमाला और शुद्धता पर
(4) इनमें से कोई नहीं (3)

◆ विषय वस्तु के पठन के समय कौन सा सुधार करवाया जाता है?
(1) श्रुतिलेख (2) सस्वर पाठन
(3) वाक्य रचना (4) उपरोक्त सभी (4)

◆ "व्याकरण भाषा का व्यावहारिक विश्लेषण है।"
(1) किलैट्रिक (2) हरबर्ट
(3) क्रो एवं क्रो (4) एच. स्वीट

◆ सबसे अधिक कौशल संभव है –
(1) मातृभाषा में (2) अंग्रेजी में
(3) लैटिन भाषा में (4) संस्कृत में (1)

◆ उच्चारण संबंधी अशुद्धियों को दूर किया जा सकता है –
(1) छात्रों को ध्वनि तत्व का ज्ञान कराकर
(2) उन्हें शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कराकर
(3) विश्लेषण विधि द्वारा
(4) उपर्युक्त सभी (4)

- "व्याकरण का अर्थ शब्दानुशासन है।" इस मत के प्रतिपादक हैं–
(1) महर्षि नित्यानंद स्वामी (2) पाणिनि
(3) स्वामी दयानंद सरस्वती (4) अरविंद घोष (2)
- निम्न में से किस प्रणाली का प्रयोग व्याकरण की शिक्षा प्रदान करने के लिए नहीं किया जाता?
(1) सूत्र विधि (2) भाषा संसर्ग विधि
(3) निगमन विधि (4) प्रयोगशाला विधि (4)
- निम्न में से हिन्दी पाठ्यक्रम निर्माण का सिद्धांत नहीं है –
(1) क्रिया का सिद्धांत (2) एकीकरण का सिद्धांत
(3) समवाय का सिद्धांत (4) सत्–असत् का सिद्धांत
- मातृ–भाषा के महत्व का कारण है –
(1) यह विचार विनियम का सरलतम साधन है
(2) इसके अध्ययन–अध्यापन से चहुमुखी विकास होता है
(3) नैतिक विकास में सहयोग करती है
(4) उपर्युक्त सभी (4)
- भाषा को शुद्ध परिमार्जित स्वरुप प्रदान करती है –
(1) व्याकरण (2) साहित्य
(3) संस्कृति (4) सभ्यता (1)
- सुन्दर व शुद्ध सुलेख के लिए सहायता ली जाती है –
(1) अनुलिपि की (2) प्रतिलिपि की
(3) श्रुतिलेख की (4) तीनों की (4)
- शुद्धता व सुन्दरता दोनों का योग है –
(1) प्रतिलिपि में (2) अनुलिपि में
(3) श्रुतिलेख में (4) तीनों में (1)
- वे शब्द जो संस्कृत या प्राकृत भाषा से बिगड़ते हुए आये हैं, वे क्या कहलाते हैं?
(1) तत्सम (2) तद्भव
(3) देशज (4) विदेशी (2)
- छोटे बालकों को सबल देने में सर्वाधिक उपयुक्त है –
(1) मौन पाठ (2) सस्वर पाठ
(3) सम्भाषण (4) सभी (2)
- उच्च प्राथमिक स्तर पर कहानी रचना के लिए उपयोगी सामग्री है –
(1) श्यामपट्ट (2) फ्लेश कार्ड
(3) चित्र कथाएं (4) उपर्युक्त सभी (4)
- सुनकर अर्थ ग्रहण करना, उद्देश्य का अपेक्षित व्यवहारगत् परिवर्तन क्या होगा?
(1) विद्यार्थी विश्लेषण कर सकेगा
(2) विद्यार्थी भाव ग्रहण कर सकेगा
(3) विद्यार्थी तुलना कर सकेगा
(4) विद्यार्थी क्रमबद्धता से लिख सकेगा (2)
- रसानुभूति की दृष्टि से सर्वाधिक उपयुक्त कविता होती है –
(1) भाव प्रधान (2) तुकांत
(3) अतुकांत (4) वर्णन प्रधान (1)
- जब किसी प्रश्न का उत्तर प्रत्येक बालक द्वारा सही दे दिया जाए तो वह प्रश्न है –
(1) अविश्वसनीय (2) अवस्तुनिष्ठ
(3) अविभेदकारी (4) अवैध (3)
- प्रज्ञा का अर्थ है –
(1) बुद्धि (2) ज्ञान
(3) सोच (4) कौशल (1)
- वाचन के तत्वों में शामिल नहीं है –
(1) अक्षर बोध (2) ध्वनि प्रतीक
(3) वर्ण प्रयोग (4) उचित दृष्टि सोपान
- विश्लेषणात्मक विधि का प्रकार नहीं है –
(1) शब्द विधि (2) वाक्य विधि
(3) कविता विधि (4) वर्ण विधि (4)
- अवबोध की किस विधि के अंतर्गत पहले शब्द सीखाये जाते हैं और फिर शब्द का विश्लेषण करके वर्ण सीखाये जाते हैं –
(1) संश्लेषणात्मक विधि (2) प्रायोजना विधि
(3) वाक्यांश विधि (4) विश्लेषणात्मक विधि (4)
- किस मनोवैज्ञानिक के अनुसार वाचन मानसिक प्रक्रिया है तथा लेखन मानसिक एवं शारीरिक दोनों है?
(1) फ्राबेल (2) लुंडबर्ग
(3) जॉन ड्यूवी (4) ब्रेकन (1)
- किस मनोवैज्ञानिक ने लेखन को वाचन से पूर्व सीखने का सुझाव दिया है?
(1) मोंटेसरी (2) फ्राबेल
(3) गुड (4) जॉन ड्यूवी (1)
- निम्नलिखित में से निबंध शिक्षण की विधि नहीं है –
(1) काल्पनिक विधि (2) रुपरेखा विधि
(3) प्रवचनचच विधि (4) स्वाध्याय (1)
- नाटक शिक्षण की कक्षा अभिनय विधि का गुण नहीं है –
(1) शिक्षण रोचक बन जाता है।
(2) देश–काल आदि का ज्ञान होता है।
(3) श्रोताओं को सुगमता रहती है।
(4) सभी विद्यार्थी अभिनय नहीं कर पाते। (4)
- किसी बालक को निरर्थक एवं अर्थपूर्ण शब्दों की सूची दी गई है। बालक किसका अधिगम अधिकारपूर्ण तरीके के पहले करेगा?
(1) निरर्थक शब्द (2) अर्थपूर्ण शब्द
(3) दोनों समान रुप से (4) इनमें से कोई नहीं (2)

REVISION EXERCISE

1. हिन्दी शिक्षण में पाठ योजना का अविर्भाव .... में हुआ।
2. गद्य शिक्षण की .... विधि को उद्बोधन विधि भी कहा जाता है।
3. गद्य शिक्षण की .... विधि का सुकरात विधि भी कहा जाता है।
4. .... विधि में व्याकरण के व्यवहारिक पक्ष पर अधिक बल दिया जाता है।
5. संवित अभिलेख पत्र .... परीक्षा–पद्धति का अंग है।
6. भाषा कौशल के .... प्रकार हैं।
7. दो या दो से अधिक विद्यार्थियों द्वारा किया गया वाचन .... कहलाता है।
8. सीमित अवधि में (एक दिन) पढ़ाई जाने वाली शिक्षण योजना को .... कहते हैं।

9. चित्रों पर प्रश्न करके रचना का शिक्षण देना …………….. विधि है।
10. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली की स्थापना ………… में हुई।
11. सार्थक ध्वनियाँ, शब्द एवं वाक्य रचना …….. के तत्व हैं।
12. …….. विधि पेस्टालॉजी की लेखन शिक्षण विधि है।
13. खेल–खेल में भाषा की आरंभिक शिक्षा …….. विधि में दी जाती है।
14. वामन ने काव्य की आत्मा …….. को माना है।
15. ………… प्रणाली के अंतर्गत कविता की व्याख्या करते समय एक कथा को अन्य अवान्तर कथाओं से सम्बद्ध किया जाता है।
16. भारतीय संविधान की ………… धारा के अंतर्गत भारत की राजभाषा हिन्दी और देवनागरी लिपि को स्वीकार किया गया है।
17. चित्र–वर्णन विधि का प्रयोग ……………. स्तर पर किया जाता है।
18. रिर्पोताज नामक गद्य विद्या का आविष्कार सन् ……… में हुआ।
19. शब्दों के उच्चारण सीखने में महत्वपूर्ण योगदान ……….. का है।
20. प्रारम्भिक कक्षाओं में भाषा को समृद्ध बनाने हेतु ………… के साथ अंतः क्रिया द्वारा अध्यापन सर्वाधिक उपयोगी सिद्ध होता है।
21. अर्थबोध विधि का विकसित रुप ……………. विधि माना जाता है।
22. किलपेट्रिक के अनुसार …………… ज्ञान की प्राप्ति उन सक्रिय अनुभवों से होती है, जो हमें किसी वास्तविक समस्या अथवा कठिनाईयों के समाधान के समय उपलब्ध होते हैं।
23. भाषा शिक्षक का सबसे महत्वपूर्ण गुण ………… है।
24. "मानव के मानसिक विकास के लिए मातृभाषा अत्यंत आवश्यक है।" कथन ……… का है।
25. "एक राष्ट्रभाषा है हिन्दी, एक हृदय है भारत जननी" कथन …….. का है।

Answers

1. गेस्टाल्ट मनोविज्ञान	2. अर्थबोध
3. प्रश्नोत्तर	4. भाषा संसर्ग विधि
5. प्रायोगिक	6. चार
7. सामूहिक वाचन	8. दैनिक योजना
9. चित्र–रचना	10. 1960
11. भाषा निर्माण	12. अनुकरण
13. साहचर्य	14. रीति
15. व्यास	16. 343 (1)
17. प्राथमिक	18. 1936
19. अनुकरण	20. प्रकृति
21. व्याख्या	22. नवीन
23. शुद्ध उच्चारण	24. महात्मा गाँधी
25. भारतेंदु हरिश्चन्द	